Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHD.

कक्षा- सातवीं   शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-3 'कुछ भारतीय त्योहार') भाग-2
लेखक- मोहनदास करमचंद गांधी

पुस्तक - नवतरंग - 7

सुप्रभात बच्चो,

यह पाठ-3 'कुछ भारतीय त्योहार' का अगला भाग-2 जो कि कक्षा सातवीं की हिंदी साहित्य की पुस्तक नवतरंग-7 के पृष्ठ-18 पर दिया है, यह 3.7.24 को भेजा जा रहा है।

पाठ के पिछले भाग में आपने भारतीय त्योहार दीपावली के बारे में पढ़ा था कि भारत में दीपावली कैसे मनाई जाती है। दीवाली से पहले कौन-कौन से त्योहार मनाए जाते हैं और इस त्योहार के लिए लोग कौन-कौन सी तैयारियाँ करते हैं। आज हम पाठ का अगला भाग पढ़ेंगे जो कि त्योहारों के बारे में है।

अब आप एक आम सड़क के नुक्कड़ पर खड़े हैं। उस ग्वाले को देखिए, जो दूध जैसे सफ़ेद कपड़े पहने, जिन्हें उसने पहली बार पहना है और अपनी लंबी दाढ़ी चेहरे के दोनों ओर ऊपर को फेरकर पगड़ी के नीचे बाँधे, कुछ गाने गाता हुआ आ रहा है। उसके पीछे-पीछे गाय का झुंड चल रहा है, जिसमें गायों के सींग लाल-हरे रंगे और चाँदी से मढ़े हुए हैं। उसके पीछे-पीछे आप वह छोटी-छोटी लड़कियों की वह भीड़ देखते हैं। लड़कियों के सिर पर कुंडरियों पर सधी हुई छोटी-छोटी मटकियाँ हैं। आपको कौतूहल हो रहा है कि उन मटकियों में क्या है?

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

कक्षा- सातवीं सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-3 'कुछ भारतीय त्योहार')

मगर उस असावधान बालिका की मटकी से थोड़ा-सा दूध छलक जाता है और आपका कौतूहल शीघ्र ही मिट जाता है।

अब रात आ गई। सड़कें आँखों को चौंधिया देनेवाली रोशनी से दमक रही हैं। स्त्री, पुरुष, बालक सब अच्छे वस्त्र, अलग-अलग रंग के हैं। व्यापारीलोग पहली मद दर्ज करके अपने नए बही-खाते भी आज रात को शुरू करते हैं। धार्मिक वृत्ति के लोग मंदिरों में जाते हैं। वहाँ भी हर्ष-उल्लास और भव्यता ही भव्यता दिखलाई देती है।

पाठ के इस भाग में गांधीजी ने हमें त्योहारों के महत्त्व के बारे में बताया है। इन त्योहारों पर परिवार के सभी लोग घर पर एकत्रित होने की कोशिश करते हैं। दीपावली के बाद का दूसरा दिन शांत होता है। आमतौर पर पहले दिन के गरिष्ठ भोजन के बाद हलका भोजन ग्रहण किया जाता है। दीवाली का उत्सव सारे भारत में मनाया जाता है, उसे मनाने की पद्धति भिन्न-भिन्न प्रांतों में अलग-अलग है। परिवार के सदस्यों में पति, पिता भले ही सारे वर्ष परिवार से अलग रहा हो, पुत्र यदि दूर पढ़ता हो, तो वे सब अपने मुख्य घर में आते हैं। इस तरह परिवार का पुनर्मिलन हो जाता है। जो समर्थ होते हैं, वे नए कपड़े बनवाते हैं। यदि किसी का आपस में मतभेद होता है, तो वे भी इन झगड़ों को भुलाकर एक-दूसरे से मिलते हैं। दीवाली पर लोग घरों की मरम्मत, सफ़ेदी और सफ़ाई करते हैं। घरों की अच्छे से सजावट की

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

कक्षा- सातवीं सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-3 'कुछ भारतीय त्योहार')

जाती है। नववर्ष के लिए कोई-न-कोई चीज़ खरीदी जाती है। इन त्योहारों पर गरीबों को खुले हाथों से भिक्षा दी जाती है। जो लोग इन दिनों इन त्योहारों को अंधविश्वास का प्रतीक बताते हैं, पर ऐसा नहीं है। त्योहार तो मानव के लिए वरदान जैसे हैं।

बच्चो, अब मैं कुछ कठिन शब्दों के अर्थ बताऊँगी।

शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ
उल्लेखनीय	लिखने योग्य	भव्य	सुंदर
वर्जित	त्यागा हुआ, मनाही	बाध्य	विवश, मजबूर
पखवारे	15 दिन का समय	बाँचे	सँभालकर रखते हुए
कौतूहल	जानने की इच्छा	चौंधियाँ	हैरान करने वाली
अधीर	धैर्यरहित	अपेक्षाकृत	तुलना में
पद्धति	तरीका	समर्थ	योग्य
गरिष्ठ	कठिनता से पचने वाला, भारी	गंभीरता	गहराई, शांत
रफ़ा-दफ़ा	खत्म	पुनर्मिलन	फिर से मिलना
संभवतः	जहाँ तक हो सके	भिक्षा	भीख
कोसता	शाप, अपशब्द कहना	आस्था	विश्वास, सहारा
हद	सीमा, किनारा	संक्षेप	थोड़े में
नीरस	रसहीन, फीका	ढर्रे	प्रणाली, परंपरा

बच्चो, अब मैं आपको गृहकार्य करने को दूँगी। यह पाठ यहीं तक पढ़ेंगे। शेष भाग अगले हफ्ते पढ़ेंगे।

गृहकार्य:— सब बच्चे कराए गए शब्दार्थ को अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे तथा पाठ को दो-तीन बार उच्च स्वर में पढ़ेंगे।

(आखिरी पृष्ठ-3)

Tutorial
Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner